www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 238 | जौनपुर शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने आधी रात लागू कर दिया महिला आरक्षण कानून 2023

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद में महिला आरक्षण संशोधन बिल पर हंगामा जारी है। ऐसे में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इसके मुताबिक महिला आरक्षण अधिनियम–2023, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है, गुरुवार से लागू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि वर्ष 2023 में पारित इस कानून को ऐसे समय में लागू क्यों किया गया, जब संसद में इसके क्रियान्वयन को 2029 से लागू करने के लिए संशोधन पर बहस चल रही है।एक सरकारी अधिकारी ने इसे 'तकनीकी कारणोंश से जुड़ा मामला बताया, लेकिन इस पर विस्तृत जानकारी नहीं दी। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कानून के लागू हो जाने के बावजूद मौजूदा लोकसभा में महिला आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता। अधिकारी के अनुसार, महिलाओं के लिए आरक्षण केवल जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू किया जा सकेगा।कानून मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है, श्संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 की धारा 1 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार 16 अप्रैल, 2026 को वह तिथि नियुक्त करती है, जिस दिन उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से फिर झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत पर रोक वाले फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। वह शुक्रवार को फिर से अदालत पहुंचे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अर्जी ही सुनने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने पहले ही तेलंगाना हाई कोर्ट के अग्रिम जमानत वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। तब से पवन खेड़ा पर असम पुलिस की ओर से गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इसी पर रोक की उम्मीद लेकर वह फिर से कोर्ट गए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें असम की किसी अदालत का रुख करने की सलाह दी है।बेंच ने कहा कि आपकी अर्जी और मामले का अधिकार क्षेत्र असम की अदालत के पास है। इसलिए आपको वहीं पर अर्जी डालनी चाहिए। पवन खेड़ा की मांग थी कि उन्हें मंगलवार तक के लिए अग्रिम जमानत दी जाए। ऐसा इसलिए ताकि वह सोमवार को गुवाहाटी हाई कोर्ट में अर्जी डाल सकें। उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट से एक सप्ताह के लिए बेल मिली थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि ⅋ के पास यह अधिकार ही नहीं था कि वह असम के मामले में तेलंगाना से आदेश जारी करे। इस पर पवन खेड़ा की ओर से जो आधार कार्ड पेश किया गया था, उसमें तेलंगाना का पता था।

चंद्रशेखर जयंती पर हरिवंश नारायण सिंह का तीसरी बार दायित्व संभालना 'विशेष संयोग' : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में शुक्रवार को हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर बधाई देते हुए उनके अनुभव और कार्यशैली की खुलकर सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि हरिवंश नारायण सिंह का तीसरी बार इस पद पर चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को उन पर गहरा विश्वास है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बीते वर्षों में नारायण सिंह के अनुभव का सदन को बहुत लाभ मिला है। उन्होंने सभी दलों को साथ लेकर चलने की जो कोशिश की है, आज सदन ने उस पर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने इसे अनुभव का सम्मान और सहज कार्यशैली की स्वीकृति बताया। उन्होंने कहा कि हरिवंश के नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही और भी प्रभावी हुई है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि हरिवंश सिर्फ सदन का संचालन ही नहीं करते, बल्कि अपने जीवन के अनुभवों का भी बेहतर तरीके से उपयोग करते हुए सदन को समृद्ध बनाते हैं। उनके अनुभव से सदन की कार्यवाही और माहौल दोनों ही अधिक परिपक्व बने हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि उनका नया कार्यकाल भी उसी संतुलन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगा और सदन की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने एक खास संयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 17 अप्रैल को देश के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती भी है। पीएम मोदी ने कहा कि हरिवंश का चंद्रशेखर जी के साथ गहरा जुड़ाव रहा है, और वे उनके सहयात्री भी रहे हैं। ऐसे में उसी दिन उनका तीसरी बार इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालना एक विशेष संयोग है। प्रधानमंत्री ने हरिवंश की पृष्ठभूमि और उनके सामाजिक योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि हरिवंश जी का जन्म जयप्रकाश नारायण के गांव में हुआ था। ग्रामीण परिवेश से आने के कारण वे छात्र जीवन से ही अपने गांव और समाज के विकास के लिए काम करते रहे हैं।

परिसीमन बिल पर शशि थरूर का तंज, जल्दबाजी न करने की दी सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। परिसीमन बिल को लेकर लोकसभा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे श्राजनीतिक नोटबंदीश करार दिया है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को जल्दबाजी में लागू करना देश के संघीय ढांचे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शशि थरूर ने मशहूर नारा जस्ट डू इट को उलटते हुए कहा–डॉन्ट डू इट। उन्होंने 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए इसे एक सबक बताया। शशि थरूर ने कहा, ष्आप परिसीमन को उसी जल्दबाजी में ला रहे हैं, जैसे नोटबंदी लाई गई थी। हमने देखा कि उससे कितना नुकसान हुआ। परिसीमन भी राजनीतिक नोटबंदी साबित हो सकता है, इसलिए इसे लागू मत कीजिए। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन में तीन बड़े मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है। पहला, छोटे और बड़े राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखना। दूसरा, उन राज्यों के साथ न्याय करना जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण की नीति का पालन किया। शशि थरूर ने आरोप लगाया कि इस बिल से ऐसा लगता है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में असफलता पाई है, उन्हें श्इनामश दिया जा रहा है, जबकि दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय हो रहा है। वहीं, डीएमके सांसद कनिमोझी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र में कुछ ही दिनों के भीतर इस बिल को पास कराने की कोशिश साजिश है। संविधान के तहत राज्यों को अपने अधिकार प्राप्त हैं ।

एयर फोर्स में आधुनिक सिम्युलेटर शामिल, नेविगेटर्स की तैयारी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ एस. श्रीनिवास ने गुरुवार को एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट स्थित नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल (एनटीएस) में स्वदेशी रूप से विकसित 'एनएवीएसआईएम' सिम्युलेटर का उद्घाटन किया। यह सिम्युलेटर पूरी तरह भारत में विकसित किया गया है। इसमें अत्याधुनिक ग्राफिक्स का उपयोग किया गया है, जो प्रशिक्षण को अधिक यथार्थ और प्रभावी बनाते हैं। 'एनएवीएसआईएम' विशेष रूप से रात्रि अभियानों और विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों के प्रशिक्षण के लिए डिजाइन किया गया है। इस सिम्युलेटर में कई जटिल आपातकालीन परिदृश्य शामिल किए गए हैं, जिससे प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों के करीब अनुभव मिलता है। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा। नए सिम्युलेटर के शामिल होने से वायुसेना के नेविगेटर्स और वेपन सिस्टम ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण और मजबूत होगा। अब वे वास्तविक उड़ान से पहले ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का अभ्यास कर सकेंगे, जिससे उनकी तैयारी और दक्षता में वृद्धि होगी। उद्घाटन के दौरान एयर मार्शल श्रीनिवास ने कहा कि यह सिम्युलेटर भारतीय वायुसेना की बढ़ती ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग कमांड स्वदेशी क्षमता निर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिससे लागत में कमी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय वायुसेना का नेविगेशन ट्रेनिंग स्कूल, बेगमपेट एक प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र है।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारी – मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी। शिकायतों को सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करें।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी करीब दो सौ लोगों से मिले। उनके पास जा–जाकर उनके प्रार्थना पत्र को अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन किया। जनता दर्शन में अलग–अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह शुक्रवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्ध कराएगी। कुछ महिलाओं ने आवास की समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध कराने को संकल्पित हैं।

जीवंत लोकतंत्र में मतभेद जरूरी, यही इसकी ताकत : सीपी राधाकृष्णन

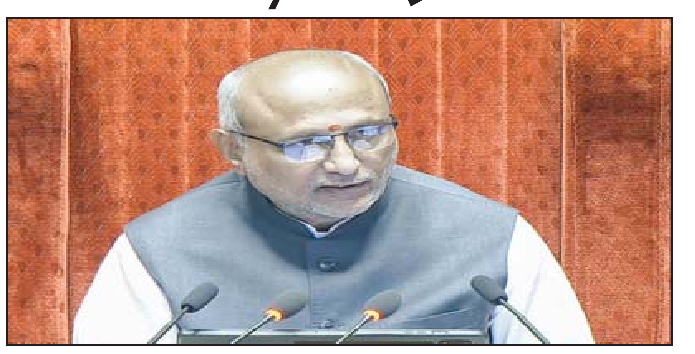

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा के उपसभापति निर्वाचित होने पर बधाई दी। राधाकृष्णन ने कहा कि हरिवंश जी का निर्विरोध चुना जाना मात्र एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह इस सदन के सभी दलों और वर्गों के बीच उनके प्रति गहरे विश्वास, सम्मान और भरोसे की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार इस उच्च संवैधानिक पद पर उनका पुनर्निर्वाचन अपने आप में एक विशिष्ट उपलब्धि है। यह केवल निरंतरता ही नहीं, बल्कि उनके कर्तव्यों के निष्पादन में निष्पक्षता, संयम और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। पीठासीन अधिकारी के रूप में हरिवंश का कार्यकाल सदैव गंभीरता, संतुलन और शांत लेकिन प्रभावशाली नेतृत्व से परिपूर्ण रहा है। सभापति ने कहा कि वे सदन की सामूहिक बुद्धिमत्ता की सराहना करना चाहते हैं, जिसने उनको सर्वसम्मति से चुना। एक जीवंत लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक और आवश्यक होते हैं, क्योंकि वे हमारी चर्चाओं को समृद्ध बनाते हैं। किंतु ऐसे क्षण, जब पूरा सदन एक स्वर में निर्णय लेता है, यह दर्शाते हैं कि हम सभी संसद की गरिमा, मर्यादा और संस्थागत सुदृढ़ता के प्रति समान रूप से प्रतिबद्ध हैं। उपसभापति चुने जाने के बाद हरिवंश ने सबसे पहले राष्ट्रपति के प्रति सम्मानपूर्वक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें राज्यसभा में मनोनीत किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि उनके नेतृत्व में देश ने नई दिशा पाई है। उन्होंने कहा कि नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा व नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ और अनुभवी नेता के साथ इस सदन में कार्य करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि हम सभी इस सदन में सहयोगी हैं। लोकतंत्र में स्वस्थ वैचारिक प्रतिस्पर्धा का अधिकार है, परंतु कटुता का कोई स्थान नहीं है। सदन के नियमों के अंतर्गत हर विषय उठाने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं और हम सभी ने स्वेच्छा से इन नियमों का पालन करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वह सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि संविधान, संसदीय नियमों और परंपराओं के दायरे में रहते हुए सदन की गरिमा, सदस्यों के अधिकारों और सहभागिता तथा सदन के समक्ष प्रस्तुत सभी कार्यों के सुचारु संचालन के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे।

पंजाब सरकार ने बेअदबी से जुड़ा बिल हस्ताक्षर के लिए राज्यपाल भेजा– भगवंत मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने हाल ही में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अपमान से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई के लिए श्जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026 को विधानसभा में सर्वसम्मति से पास किया था। अब इस बिल को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। सीएम मान ने अपने पोस्ट में लिखा, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अपमान के विरुद्ध विधानसभा में पारित अधिनियम को हस्ताक्षर हेतु राज्यपाल के पास भेज दिया गया है।ष 13 अप्रैल को पंजाब विधानसभा में जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026 को पारित किया गया था। इसे सभी दलों की सहमति से पास किया गया। इसका मकसद ऐसे मामलों पर रोक लगाना है जिनमें धार्मिक ग्रंथ का अपमान होता है और समाज में तनाव की स्थिति पैदा होती है। इस संशोधित कानून में बेहद सख्त प्रावधान किए गए हैं। अगर कोई व्यक्ति श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी का दोषी पाया जाता है तो उसे आजीवन कारावास की सजा मिलेगी यानी दोषी को मृत्यु होने तक सलाखों के पीछे ही रहना होगा। इसके साथ ही 25 लाख रुपए तक के भारी जुर्माने का भी प्रावधान रखा गया है। विधेयक में यह भी साफ किया गया है कि ऐसे मामलों की जांच केवल गजटेड अधिकारी या उससे ऊपर के स्तर का अधिकारी ही कर सकेगा। साथ ही इस कानून में किसी भी तरह के समझौते या समझौता आधारित निपटारे की अनुमति नहीं दी गई है। सरकार का कहना है कि यह कानून समाज में एक सख्त संदेश देगा कि धार्मिक भावनाओं से जुड़ी किसी भी तरह की लापरवाही या अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमानक बीज मामले में शिवराज चौहान की सख्ती, कंपनी पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, (एजेंसी)। नई दिल्ली में मध्य प्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा। इस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के निर्देशों के बाद मामले में तेज कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी, नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है।

गर्मी के दिनों में बाहर के खाद्य पदार्थों से करें परहेज डॉक्टर - गौरव श्रीवास्तव

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय सुबह से ही गर्मी प्रचंड रूप से अपना असर दिखाई दे रही है और दोपहर होते–होते गर्मी इस कदर बढ़ जा रही है की लोगों को बाहर निकालने के लिए सोचना पड़ रहा है। लू भी प्रचंड रूप से चल रही है। इस समय लोगों को को तथा गर्मी से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए किस तरह के खाद्य पदार्थ का सेवन करें इस संबंध में जिले के प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव से खास बातचीत की गई। बातचीत में उन्होंने लोगों से अपील किया कि अप्रैल माह से प्राय गर्मी आ जाती है और मई,जून में इसका असर काफी और अधिक दिखाई देता है इसके लिए हम सभी को सावधानी बरतनी होगी। गर्मी से बचाव हेतु उन्होंने लोगों से अपील किया कि कोशिश यही करें कि अगर बहुत जरूरत रहे तभी लोग प्रातः 10:00 बजे के बाद अपने–अपने घरों से निकले अगर किसी को बहुत जरूरी कार्य हो तो पूरे आस्तीन के कपड़े पहने टोपी व गमछे से शहर को ढके रखें कोशिश यही रहे सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 के बीच छोटे बच्चों गर्भवती महिलाएं व बुजुर्ग को बाहर न निकलने दे।बताया कि गर्मी के दौरान होने वाली प्रमुख बीमारियों मे लू लगना,डिहाइड्रेशन (पानी की कमी),फूड पॉइजनिंग डायरिया (दस्त) और उल्टी,त्वचा रोग (घमौरियां,फंगल इन्फेक्शन),सनबर्न (त्वचा जलना) शाहिद बेहोशी जैसे अन्य रोग भी उत्पन्न हो जाते हैं। बताया कि लोगों को इन बीमारियों से बचने के लिए कोशिश करें कि सुबह 10:00 बजे से शाम 5 बजे तक धूप में निकलने से बचें।हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें।सिर को (टोपीध्गमछा, दुपट्टे) या अन्य कपड़ों से ढक कर रहे। धूप में छातें का प्रयोग करें।बार–बार पानी पिएं और ना प्यास लगे तब भी जबरदस्ती भी पानी पिए जिससे कि आपके शरीर में गर्मी के दौरान पानी पर्याप्त मात्रा में हो। उन्होंने लोगों से यह भी अपील किया कि गर्मी के दिनों में खान–पान पर भी विशेष ध्यान रखें कोशिश यह करेंगे घर से बना हुआ खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें बाहर के खाद्य पदार्थो, बासी तथा दूषित खाद्य पदार्थ व खुले खाद्य पदार्थों से परहेज करें। वही ज्यादा से ज्यादा पानी, ORS, नींबू पानी, छाछ लें।फल–सब्जियों को धोकर ही खाएं।इस दौरान ओआरएस के घोल का सेवन डिहाइड्रेशन में सबसे जरूरी है।बुखार या कमजोरी लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करे।लू लगने पर मरीज को ठंडी जगह रखें। शरीर को गीले कपड़े से पोंछें। तुरंत मेडिकल सहायता लें। दस्त/उल्टी होने पर ओआरएस ,जिंक की दवा तथा जरूरत पड़े तो चिकित्सकों की सलाह पर एंटीबायोटिक दवा ले।

संपादकीय

आखिरकार जनता पर ही बोझ

पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क में कटौती से सरकारी खजाने को 2026–27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उसकी भरपाई केंद्र कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा, जिसका बोझ आखिरकार जनता पर ही आएगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सत्ता होने के दौर में अपनी तिजोरी भरने वाली कंपनियों को राहत देने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क में भारी कटौती की है। इस कारण सरकारी खजाने को 2026–27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचेगा। पिछले वर्ष सरकार ने आय कर और जीएसटी दरों में कटौती की। उससे भी उसे राजस्व का नुकसान हुआ। इन सबकी भरपाई केंद्र उसकी कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा। 2026–27 के केंद्रीय बजट में 16.09 लाख करोड़ रुपये का ऋण लेने का प्रावधान है। लेकिन अब बताया गया है कि उसका 51 फीसदी यानी 8.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज वित्त वर्ष की पहली छमाही में ही ले लिया जाएगा। मौजूदा वित्तीय हालात को देखते हुए अनुमान है कि दूसरी छमाही कम–से–कम इतना और ऋण लिया जाएगा– यानी बजट में तय सीमा टूट सकती है। बाजार से ऋण का स्रोत अधिकांशतरू ऋण का कारोबार करने वाली वित्तीय कंपनियां होती हैं। सरकारें जितना अधिक कर्ज लेती हैं, उनके बॉन्ड पर ब्याज दर उतनी बढ़ती चली जाती है। फिलहाल, भारत सरकार के दस साल के बॉन्ड की ब्याज दर 6.92 प्रतिशत है, जो हाल के किसी समय से ऊंची है। मतलब यह कि अभी के कर्ज पर सरकार की दीर्घकालिक देनदारी खासी ऊंची होगी। इस कारण हर साल कर्ज एवं ब्याज चुकाने का अधिक दबाव सरकार के बजट पर होगा। अगर सरकार की आमदनी दूसरे स्रोतों से नहीं बढ़ेगी, तो जाहिर है, उपरोक्त देनदारी विकास एवं जन–कल्याण के खर्चों में कटौती कर पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि परोक्ष करों के जरिए राजस्व जुटाने की गुंजाइश अब बेहद सीमित हो चुकी है। विनिवेश से पैसा जुटाने की संभावनाएं भी अब सीमित ही हैं। उस स्थिति में केंद्र के पास आमदनी बढ़ाने का एकमात्र जरिया धनी लोगों पर अधिक कर्ज लगाने का बचा है। लेकिन कॉरपोरेट्स का मुनाफा बढ़ाने की प्राथमिकता वाली वर्तमान सरकार के लिए यह सोचना भी कठिन है। इसलिए उत्पाद कर घटने का अर्थ दीर्घकाल में आम जन पर दबाव बढ़ना होगा। यही आज का गणित और हकीकत है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं। भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी। आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है। इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने

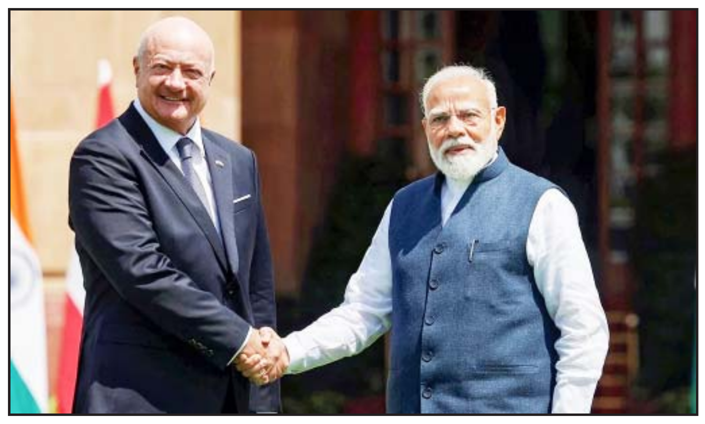

इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है। देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू–राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा। बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

बहुत तेजी से बढ़ रही हैं कीमतें और मुद्रास्फीति

नन्तू बनर्जी

रेपो दर में बढ़ोतरी से आमतौर पर गृह, व्यक्तिगत और व्यावसायिक कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, जबकि रेपो दर में कमी होने पर ये ऋण सस्ते हो जाते हैं। केंद्रीय बैंक अक्सर मुद्रास्फीति के लिए एक आदर्श सीमा तय करते हैंकृजैसे कि भारत के मामले में यह सीमा दो से छह प्रतिशत हैकृऔर वे इस आधार पर रेपो दर में बदलाव करते है। रस की खाड़ी क्षेत्र में भू–राजनीतिक तनाव और कमजोर भारतीय रुपये के कारण देश में सभी वस्तुओं और परिवहन की लागत में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। रोजमर्रा की जरूरी चीजों की खुदरा कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खाने के तेल, दालों और पैकेटबंद खाने की चीजों, जिनमें पीने का पानी भी शामिल है, की कीमतें पिछले महीने से बढ़ गई हैं। कीमती धातुओं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। 8 अप्रैल, 2026 को कुछ बाजारों में सोने की कीमतें 10 ग्राम पर 153,000 रुपये से ऊपर पहुंच गईं, जिसकी मुख्य वजह सोने में श्सुरक्षित निवेशश् की मांग थी। कोकिंग कोयले जैसे कच्चे माल की लागत में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका सीधा असर स्टील बनाने वालों पर पड़ा है, जिनमें से 95 प्रतिशत लोग आयात पर निर्भर हैं। खाने की चीजों की थोक महंगाई फरवरी से तेजी से बढ़ने लगी, जिसमें तिलहन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। भारत की थोक कीमतें अकेले फरवरी में 2.13 प्रतिशत बढ़ीं – जो एक साल में सबसे तेज बढ़ोतरी थी– और इसकी मुख्य वजह मैन्युफैक्चरिंग और खाने की चीजों की ऊंची कीमतें थीं। विडंबना है कि देश का रिजर्व बैंक महंगाई के इस परेशान करने वाले रुझान को लेकर कम चिंतित लग रहा है, और उसका ज़्यादा ध्यान महंगाई के बीच आर्थिक विकास को बनाए रखने पर है। पिछले हफ्ते, भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने लगातार दूसरी बार रेपोरेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैघ्सला किया, जो एक लंबे ठहराव का संकेत है। रिजर्व बैंक का दरों को स्थिर रखने का फैघ्सला, मजबूत घरेलू विकास और बढ़ती महंगाई के दबाव के बीच संतुलन बनाने की जरूरत से प्रेरित माना जा रहा है। ऐसा लगता है कि इस +फैसले पर सरकारी नीति का काफी असर पड़ा है। सरकार बढ़ती महंगाई, आयात की बढ़ती लागत, घटते निर्यात, घरेलू मुद्रा के गिरते मूल्य और पश्चिम एशिया से आने वाले पैसे (रेमिटेंस) में भारी गिरावट जैसी कई चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था के विकास को बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रही है। उम्मीद है कि रिजर्व बैंक 2026 में एक सतर्क, शतटस्थश् मौद्रिक नीति बनाए रखेगा, और महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखेगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भू–राजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जरूरी हुई ऊंची दरें, भारत की जीडीपी वृद्धि को वित्तीय वर्ष 2025–26 में 7.6 प्रतिशत से घटाकर 2026–27 में 6.9 प्रतिशत या उससे भी कम कर सकती हैं। हालांकि रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2026 में दरें स्थिर रखीं, लेकिन लगातार बनी हुई ऊंची महंगाईकृजो आपूर्ति की समस्याओं और 4.2 प्रतिशत से बढ़कर 4.6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति के अनुमान के कारण हैकृअंततरू कुछ कड़े कदम उठाने पर मजबूर कर सकती है। मार्च में ओईसीडी की अंतरिम रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत को 2026 की दूसरी तिमाही में अस्थायी रूप से दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बड़े जोखिम हैं, जो इनपुट लागत और महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे विकास पर नीचे की ओर दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन अप्रैल 2026–मार्च 2027 की अवधि के लिए किए गए अनुमानों को थोड़ा कम किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वैश्विक बाधाओं के कारण 6.4 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत के बीच अलग–अलग अनुमान लगाए हैं। संभावित मंदी के बावजूद, विश्लेषकों का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग, ऊंची विनिर्माण गतिविधि और बेहतर कॉर्पोरेट बैलेंस शीट अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करती हैं। ईरान संघर्ष भारत के 135 अरब डालर से अधिक के रेमिटेंस प्रवाह के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से ज़्यादा भारतीय कामगारों को नौकरी जाने, वेतन में कटौती और जबरन स्वदेश वापसी का सामना करना पड़ सकता है। भारत के रेमिटेंस का लगभग 38–40 प्रतिशत, या लगभग 51 अरब डालर, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र से आता है, जिससे अर्थव्यवस्था चल रही बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागतों के प्रति संवेदनशील हो जाती है। इस संघर्ष के कारण निर्माण और सेवा क्षेत्रों में लगभग 200,000 भारतीय नौकरियां जोखिम में हैं, जिनमें से 20–50 प्रतिशत लोगों को वेतन में कटौती या बिना वेतन के छुट्टी का सामना करना पड़ सकता है। 220,000 से ज़्यादा भारतीय नागरिक पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। स्वदेश लौटने वाला हर कामगार परिवारों के लिए आय का एक स्रोत खो जाने का प्रतीक है, जिसका असर केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे भारतीय राज्यों में उपभोग पर पड़ता है। जीसीसी क्षेत्र में बढ़ती स्थानीय लागतें, और साथ ही कंपनियों द्वारा खर्चों में की जा रही कटौती, श्रमिकों के पास घर भेजने के लिए उपलब्ध खर्च योग्य आय को कम कर रही हैं। इन परिस्थितियों में, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति, सरकार के आर्थिक उद्देश्यों और घरेलू रोजगार व आय को सहारा देने के लिए उच्च विकास दर बनाए रखने की आवश्यकता के आड़े आएगी।

भारत की औषधि रणनीति पैमाने से नवाचार की ओर बढ़ रही है

जगत प्रकाश नड्डा

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण शविश्व की फार्मेसीश के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके। केंद्रीय बजट 2026–27 में ?10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विजन गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार–आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव– औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग–अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन–आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंजाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, नियामक व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने से भारत की मौजूदा व्यवस्था वैश्विक मानकों के अधिक अनुरूप होगी, जिससे तेज अनुमोदन संभव होंगे और वैश्विक हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने पीएलआई और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारे सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (केएसएम) के स्थानीय उत्पादन में तेजी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा–शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे–जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी। जैसे–जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार–संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है।

योगीजी, घर सुधारिए नक्सलवाद चला जाएगा

अरविन्द

नोएडा और आसपास के गांवों में छह–सात मंजिल वाले अनधिकृत श्मजदूर निवासश न होते तो इतनी कम कमाई पर मजदूरों का रह पाना भी मुश्किल होता। ये सारे आवास दुर्घटनाओं को तो आमंत्रित करते ही हैं रोज हर काम के लिए ऊपर नीचे आने के लिए सीढ़ियां चढ़ना भी मजदूरों की आठ घंटे की ड्यूटी जितना श्रम ही लेता है और कहीं आठ घंटे का ही काम होता हो ऐसे ठिकाने भी कम ही हैं। जदूरों की नाराजगी जगह–जगह दिखने की खबरें पिछले दो महीने से कम समय में लगातार आ रही थीं लेकिन बैसाखी के दिन जब नोएडा में करीब पचास हजार मजदूर अपने काम छोड़कर सड़कों पर आ गए तो राष्ट्रीय राज मार्ग समेत सारा नोएडा थम गया। एक–दो जगह पुलिस से हिंसक झड़प भी हुई और सरकार ने तुरंत मजदूरों से बातचीत के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बना दी। चूंकि राजधानी के लगभग सारे मीडिया हाउस नोएडा पहुंच गए हैं, इसलिए पहली बार मजदूरों के आंदोलन की खबरें भी दिखीं– यह जरूर है कि मजदूरों की नाराजगी या उनकी मांगों जितना ही महत्व ट्रैफिक थमने से हुई आम लोगों की परेशानी की खबर को मिला। यह प्रायरू हर मजदूर और किसान आंदोलन के समय होता है और बाबुओं का आंदोलन अब होता नहीं, पार्टियों की रैली भी रुक ही गई है।खैर! नोएडा के मजदूरों की मांग थी कि उनको हरियाणा द्वारा हाल में दिए न्यूनतम मजदूरी के बराबर मजदूरी मिले। हरियाणा ने पिछले दिनों 14000 रुपये न्यूनतम मासिक वेतन को बढ़ाकर 19000 रुपए कर दिया है जो पहली अप्रैल से लागू होगा। उत्तर प्रदेश में अभी यह मात्र 13000 रुपये है और मजदूर आंदोलन की स्थिति यह है कि सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों की कमेटी को मजदूरों का प्रतिनिधि ढूंढना भारी पड़ रहा है क्योंकि किसी फैक्टरी में शायद ही यूनियन बनी हुई है।अब यहां तक की बात तो सामान्य ढंग वाली है और राज्य सरकार की तुरंत की गई कार्रवाई– जांच कमेटी बैठाना, भी उचित मानी जा सकती है। लेकिन तभी राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने पास के मुजफ्फरनगर में विकास की 423 परियोजनाओं का एक साथ उद्घाटन करते हुए ऐसी बात कर दी जो उनकी मंशा से लेकर जांच कमेटी बैठाने के फैसले तक को सवालिया निशान के घेरे में ला देता है। उन्होंने कहा कि देश से नक्सलवाद समाप्त होने के कगार पर है। नोएडा जैसी घटनाएं उसे जिंदा करने का प्रयास हो सकती हैं। अब जब मुख्यमंत्री का नजरिया यह है तो अधिकारियों का क्या होगा यह समझा जा सकता है। वे क्या करेंगे यह अंदाजा भी पहले दिन लग जाता है। करीब पचास हजार मजदूर उस दिन सड़कों पर निकले थे और सिर्फ दो जगह झड़प हिंसक हुई। बिना नेतृत्व वाले आंदोलन के लिए यह काफी बड़ी बात थी और मुख्यमंत्री को अपने प्रदेश के औद्योगिक मजदूरों का न्यूनतम वेतन नहीं मालूम हो यह संभव नहीं है। उनको यह भी मालूम होगा कि यह हरियाणा से ही नहीं दिल्ली से भी काफी कम है और अगर आपके प्रदेश ही नहीं पूरी हिन्दी पट्टी में आज नोएडा विकास का इंजन माना जाता है तो उस पर तो सुविधाओं की बारिश होनी चाहिए। आज उत्तर प्रदेश में राजस्व के मामले में भी नोएडा नंबर वन बना हुआ है।इसकी हालत कितनी बुरी है इसका अंदाजा एक दिन के हड़ताल और ट्रैफिक की तकलीफ से नहीं लगाया जा सकता। अगर नोएडा और आसपास के गांवों में छह–सात मंजिल वाले अनधिकृत श्मजदूर निवासश न होते तो इतनी कम कमाई पर मजदूरों का रह पाना भी मुश्किल होता। ये सारे आवास दुर्घटनाओं को तो आमंत्रित करते ही हैं रोज हर काम के लिए ऊपर नीचे आने के लिए सीढ़ियां चढ़ना भी मजदूरों की आठ घंटे की ड्यूटी जितना श्रम ही लेता है और कहीं आठ घंटे का ही काम होता हो ऐसे ठिकाने भी कम ही हैं। सारे लेबर ला सिर्फ संहिता में ही नहीं बदले हैं उन्हें लागू कराना सरकार ने अपना जिम्मा मानना बंद कर दिया है। और इन मजदूरों–मजदूरनियों के आने–जाने वाला जो क्लासिकल टेम्पो यहां चलता है और उसमें जिस तरह मजदूर भरे और लटकाए जाते हैं वह देखकर किसी मीडिया वाले को ध्यान नहीं आता कि यह भी ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट का मामला है–अधिकारी तो टेम्पो वालों से कमाई भी कर लेते हैं। सबसे खराब क्वालिटी के और फटे–पुराने जूते, चप्पल में सुबह शाम या अंधेरे में चलते हजारों मजदूरों को ढंग का फुटपाथ भी नसीब नहीं है। इन मजदूरों को कहीं पच्चीस–तीस रुपये तक में पेट भरने लायक भोजन मिल जाए इसका एक भी इंतजाम नोएडा में नहीं मिलता। नाले किनारे

सबसे गंदी जगह में ठेले वाले कैसे दस रुपए और पंद्रह रुपए प्लेट पूरी या भटूरे परोस सकते हैं यह अचरज देखना हो तो नोएडा आइये। और दुर्घटना हो तो एक सीजीएचएस अस्पताल के अलावा कोई सरकारी इंतजाम नहीं है। नोएडा की कहानी बहुत बड़ी है।यह शायद सभी औद्योगिक नगरों की कहानी है। जिस मानेसर आंदोलन के चार दिन बाद नोएडा में आंदोलन फूटा वहां भी मजदूरों के आंदोलन के बाद दस साल की अवधि बीतने पर मजदूरी रिवाइज हुई थी। आखिरी बार अक्टूबर 2015 में रिवीजन हुआ था। उससे पहले बिहार के बरौनी में दो फरवरी को मजदूरों ने न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी और आठ घंटे की ड्यूटी के लिए आंदोलन किया तो पुलिस ने भारी दमन किया। 23 फरवरी को इंडियन आयल के पानीपत रिफाइनरी के 30000 कैजुअल मजदूरों ने आंदोलन किया था। वह आंदोलन भी हिंसक हो गया था। मार्च में हरियाणा के ही मानेसर में ऐसा आंदोलन हुआ। फिर 27 फरवरी को हजीरा, सूरत में लारसन ऐंड टूब्रो के ठेका मजदूरों ने ऐसा ही आंदोलन किया।

दुष्कर्म में दो दोषियों को आजीवन कारावास

ब्यूरो प्रमुख
दीपक श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सुजानगंज निवासी नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में दोषी छोटू पठान निवासी नैनी इलाहाबाद एवं मनीष चंद्र मौर्य निवासी मड़ियाहूं को अपर सत्र न्यायाधीश पास्को एक्ट सुरेंद्र प्रताप यादव ने शुक्रवार को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक को 50,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई ।इसी मामले में दोषी कैफरीन निवासी सुजानगंज को 7 वर्ष कारावास एवं 47,000 रुपए अर्थदंड तथा सलीम, कलीम,हलीम एवं सलमान निवासी सुजानगंज को पीड़िता के अपहरण का दोषी पाते हुए कोर्ट ने 6 वर्ष कारावास एवं प्रत्येक को 35,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाया। अर्थदंड की समस्त धनराशि पीड़िता को देने का आदेश हुआ। घटना की रिपोर्ट पीड़िता के चाचा ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर कोर्ट के आदेश से दर्ज कराया था कि वह सुजानगंज में चाय पान की दुकान करके अपना परिवार चलता है ।उसकी 16 वर्षीय भतीजी 17 जनवरी 2015 को 6रू15 बजे शाम अपनी बड़ी मां के साथ घर से कुछ दूर शौच करने गई थी। वहां से लौटते समय पहले से घात लगाए आरोपियों ने जबरन पीड़िता को बोलोरो गाड़ी में बैठाकर अपहरण कर ले गए ।इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने कोई सुनवाई नहीं की। कोर्ट का सहारा लेने पर कोर्ट के आदेश से थाना सुजानगंज में 4 मार्च 2015 को रिपोर्ट दर्ज हुई। उसकी भतीजी करीब 4 महीने गायब रही ।9 मई 2015 को उसके मोबाइल पर मिर्जापुर से इश्तियाक खान ने फोन कर बताया कि आपकी लड़की मिर्जापुर में अकेले रोते हुए मिली ।अपनी लड़की को ले जाएं। दूसरे दिन वहां पहुंचे और लड़की को ले आए तब लड़की ने आप बीती बताई ।पुलिस विवेचना से प्रकाश में आया कि सलीम,कलीम,हलीम व सलमान ने अपहरण किया। कैफरीन ने आरोपियों का सहयोग किया। छोटू पठान व मनीष चंद्र मौर्य ने उसके साथ दुराचार किया। पुलिस ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया ।कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद सातों आरोपितों को दोषी पाते हुए सजा सुनाया।

बीबीए और बीसीए सम–सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल तक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने बीबीए और बीसीए सम–सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल तक बढ़ा दी है। यह निर्णय उन छात्रों को राहत देगा जो अब तक किसी कारणवश फॉर्म नहीं भर पाए थे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, बीबीए एवं बीसीए सम–सेमेस्टर सत्र 2025–26 की परीक्षाएं 8 अप्रैल से शुरू होंगी। संबंधित परीक्षा कार्यक्रम जल्द ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिन महाविद्यालयों के छात्र–छात्राएं किसी कारणवश अभी तक बीबीए या बीसीए का परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए हैं, उन्हें यह अंतिम अवसर दिया गया है। ऐसे अभ्यर्थी 15 अप्रैल से 21 अप्रैल के बीच परीक्षा फॉर्म भरने, सत्यापन कराने और परीक्षा शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

टेम्पो से टकराई बाइक, बाइक सवार की जिंदा जलकर मौत, चालक फरार

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के नानपारा–लखीमपुर हाईवे पर शुक्रवार सुबह मुरावनपुरवा और कुडवा के बीच बाइक व टेम्पो की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन सड़क से नीचे जा गिरे और बाइक में आग लग गई। बाइक चालक मौके पर ही जिंदा जल गया। वहीं, हादसे के बाद टेम्पो चालक मौके से भाग गया। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 5 बजे ग्राम सोमईगौढ़ी के कटैलापुरवा निवासी राजेश कुमार (35) अपनी रिश्तेदारी पकड़िया दीवान गांव शादी का निमंत्रण देने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे टेम्पो से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित दोनों वाहन सड़क से नीचे जा गिरे और बाइक में आग लग गई, राजेश कुमार बाइक समेत आग की चपेट में आ कर झुलस गए। हाईवे से गुजर रहे राहगीरों की सूचना पर मोतीपुर पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया और गंभीर रूप से झुलसे युवक को सीएचसी मोतीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौके से भागे टेम्पो चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल ही में हाईवे का मरम्मत और नवीनीकरण कार्य कराया गया था लेकिन सड़क सही तरीके से न बनने के कारण जगह–जगह उछाल है। इसी वजह से इस मार्ग पर लगातार दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

बाग में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। मऊ गांव के पास स्थित आम के बाग में बृहस्पतिवार को 35 वर्षीय युवक का अर्धनग्न शव मिला। शव औंधे मुंह पड़ा था, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, शाम लगभग साढ़े पांच बजे चरवाहे बाग की ओर गए तो उन्होंने युवक का शव देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। आशंका है कि युवक को कहीं और से लाकर बाग में हत्या कर फेंका गया है। युवक ने काही कलर का कच्छा पहन रखा है। उसके बाकी के कपड़े गायब थे। एसीपी विकास कुमार पांडेय के मुताबिक युवक की मौत लू लगने से हो सकती है। पोस्टमॉर्टम से मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। युवक के पैर व हाथों में मिट्टी लगी हुई थी। उसके कपड़े व चप्पलें गायब थीं।

एलडीए वीसी ने दो महीने पहले किया था निरीक्षण, अब तक नहीं सुधरे पार्क के हालात

लखनऊ, (संवाददाता)। आईआईएम रोड के पास एलडीए की बसंतकुंज योजना के जागर्स पार्क में हर तरफ बदहाली फैली हुई है। यहां पर टूटे झूले, खराब रास्ते और बंद फौव्वारे लोगों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। हालांकि एलडीए इनको चमकाने का दावा कर रहा है लेकिन सुधार के जो काम चल भी रहे हैं उनकी रफ्तार बहुत सुस्त है। यह हाल तब है जब दो महीने पहले एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने इस पार्क का निरीक्षण कर इसे संवारने के निर्देश दिए थे। करीब 15 साल पहले बना बसंतकुंज योजना के इस पार्क में लगे झूले का पाइप बीच से टूट चुका है। इससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। कई रास्ते इतने खराब हैं कि चलना मुश्किल है। टाइल्स, पत्थर और बेंच भी टूटी हुई हैं। जगह–जगह बिजली के खुले तार पड़े हुए हैं। एलडीए के उद्यान अधिकारी एसके भारती ने बताया कि पार्क में सुधार कार्य हो रहा है। कहीं अव्यवस्था है तो उसे सही कराया जाएगा। पार्क में कई तरह के काम अभियंत्रण विभाग के पास है उनसे रिपोर्ट लेकर काम कराए जाएंगे।

मानव एकता दिवस पर 24 अप्रैल को रक्तदान शिविर, सेवा और भाईचारे का संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा और सेवा–भाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर देश–विदेश में सत्संग और रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे मानव एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश प्रसारित होगा। दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर–2 में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के सान्निध्य में भव्य सत्संग आयोजित होगा। इस क्रम में जौनपुर के मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में भी रक्तदान शिविर लगाया जाएगा, जहां विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सक और इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम सेवाएं देंगी ।संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने शनिवार को इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा में योगदान देंगे। मिशन पिछले चार दशकों से रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय है और निरंतर समाज सेवा कर रहा है। इस आयोजन के माध्यम से लोगों को निःस्वार्थ सेवा, प्रेम और आपसी सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि यह दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की स्मृति को समर्पित है, जिनका जीवन सेवा, त्याग और मानवता के आदर्शों से प्रेरित रहा है।

हिटमैन रोहित शर्मा के नाम से जौनपुर में क्रिकेट अकादमी, युवाओं को मिलेगा प्रोफेशनल प्रशिक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम से जौनपुर में क्रिकेट अकादमी शुरू होने जा रही है। फतेहगंज स्थित माउंट लिट्रा जी स्कूल में इस अकादमी की स्थापना की जा रही है, जिसका विद्यालय के साथ अनुबंध भी हो चुका है।

विद्यालय परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में निदेशक अरबिंद कुमार सिंह ने बताया कि अकादमी में आधुनिक और प्रोफेशनल क्रिकेट ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय क्रिकेटर धवल कुलकर्णी बतौर सलाहकार समय–समय पर आकर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रिकेट मैदान का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे जून तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों को बेहतर मंच प्रदान करना है। विद्यालय के छात्रों को अकादमी में निःशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि बाहरी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित शुल्क देना होगा। स्कूल की प्रिंसिपल श्वेता मिश्रा ने बताया कि विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। निदेशक विख्यात सिंह और संरक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि यह अकादमी जौनपुर को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी और भविष्य में यहां से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

कार्यक्रम में संरक्षक रमेश सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर कार्तिकेय सिंह व विकास सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जौनपुर नगर पालिका में नामित सभासदों ने ली शपथ मंत्री गिरीश चंद्र यादव बोले –जनसेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर पालिका परिषद परिसर में आयोजित भव्य समारोह में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। टाउन हॉल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के विकास को नई दिशा देने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर पंकज श्रीवास्तव 'हैप्पी', रोहन सिंह, अरविंद गुप्ता, संदीप जायसवाल और राहुल साहू नव–नामित सभासदों ने विधिवत शपथ लेते हुए नगर के विकास, स्वच्छता, जनसुविधाओं के विस्तार और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का लक्ष्य सिर्फ योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के ये नव–नामित सभासद जनता और सरकार के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जौनपुर का विकास तभी संभव है जब सभी जनप्रतिनिधि पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। "आप सभी को जो जिम्मेदारी मिली है, वह केवल पद नहीं बल्कि जनसेवा का एक अवसर है। जनता की अपेक्षाएं आपसे जुड़ी हैं, इसलिए हर निर्णय में आम नागरिक का हित सर्वोपरि होना चाहिए," उन्होंने कहा। गिरीश चंद्र यादव ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार नगर निकायों को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आधारभूत सुविधाओं के विकास, स्वच्छता अभियान, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद की चेयरमैन श्रीमती मनोरमा मौर्या ने की। उन्होंने सभी सभासदों को बधाई देते हुए कहा कि टीमवर्क के माध्यम से ही नगर का समग्र विकास संभव है। इस मौके पर प्रतिनिधि डॉ राम सूरत मौर्या, अधिशासी अधिकारी पवन कुमार और तहसीलदार सौरभ कुमार, जिला महामंत्रीपीयूष गुप्ता और मंडल अध्यक्ष कमलेश निषादसहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नव–नियुक्त सभासदों को उनके दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

संपूर्ण समाधान दिवस में 138 शिकायतें, डीएम ने त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तहसील मड़ियाहूं में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद की अध्यक्षता और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीएम ने जनसुनवाई करते हुए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर के दौरान कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। मंगला सिंह निवासी छीतम सराय का आधार और खतौनी में नाम अलग–अलग दर्ज होने से फार्मर रजिस्ट्री आईडी नहीं बन पा रही थी। डीएम के निर्देश पर मात्र 15 मिनट में खतौनी संशोधित कर उन्हें उपलब्ध करा दी गई। वहीं राजमणि पटेल के खतौनी में गलत पता दर्ज होने की समस्या भी तत्काल ठीक कर दी गई। चंद्र प्रकाश सिंह की अवैध कब्जे की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कमलेश दुबे के विद्युत फीडर संबंधी मामले में अधीक्षण अभियंता को जांच सौंपी गई, जबकि रामलखन की किसान सम्मान निधि दो वर्ष से लंबित होने पर उपनिदेशक कृषि को जांच के निर्देश दिए गए। अखिलेश उपाध्याय के घर जाने वाले रास्ते पर अवरोध की शिकायत पर डीएम ने राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जांच के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 138 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य तहसीलों में भी इसी प्रकार जनसुनवाई कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए।

जौनपुर में कम दर्ज हो रहे आरटीआई मामले, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश : राज्य सूचना आयुक्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्य सूचना आयुक्त वीरेन्द्र सिंह वत्स शनिवार को जौनपुर पहुंचे और डाक बंगले पर पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि जनपद में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अपेक्षाकृत कम मामले दर्ज हो रहे हैं, जो चिंतन का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आरटीआई आवेदनों का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस उद्देश्य से आवेदक सूचना मांगता है, उसका समाधान प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द होना चाहिए। आयुक्त ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में जौनपुर में कुल 1244 आरटीआई मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 927 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 317 मामले अभी भी लंबित हैं। उन्होंने लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। वीरेन्द्र सिंह वत्स ने जन सूचना अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एक महीने के भीतर आवेदकों को सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यदि निर्धारित समयसीमा में सूचना नहीं दी जाती है, तो आवेदक प्रथम अपील कर सकता है। उन्होंने आगे बताया कि यदि मामला जिला स्तर का है, तो जिलाधिकारी के स्तर पर उसका समाधान किया जाता है। इसके बावजूद भी राहत न मिलने पर संबंधित व्यक्ति सूचना आयोग में शिकायत दर्ज कर सकता है। आयोग का प्रयास है कि अधिकतम तीन सुनवाई के भीतर शिकायतकर्ता को न्याय मिल सके। आयुक्त के इस दौरे को प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए गए अहम निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के निकायों में स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) एवं आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी अजय अंबष्ट की उपस्थिति में नगरीय निकाय निदेशालय की सहायक निदेशक सविता शुक्ला ने प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जनपद के सभी निकायों के अधिशासी अधिकारी , जिला कार्यक्रम प्रबंधक , डिविजनल अधिकारी एवं संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्वच्छ सर्वेक्षण के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए चेकलिस्ट और अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के आधार पर स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत चल रहे कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान नोडल विशेषज्ञ प्रदीप अग्रहरि ने प्रतिभागियों को स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वार्ड स्तर पर प्रशिक्षण और जन–जागरूकता अभियान, डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण , कम्पोस्टिंग, सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था, सीवर व सेप्टिक टैंक की नियमित सफाई, ODF मानक और GFC स्टार रेटिंग जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया। बैठक में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए गए। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी निकाय निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करें।

मानव एकता दिवस सेवा और आध्यात्मिक समरसता के पावन अवसर पर रक्त दान शिविर आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

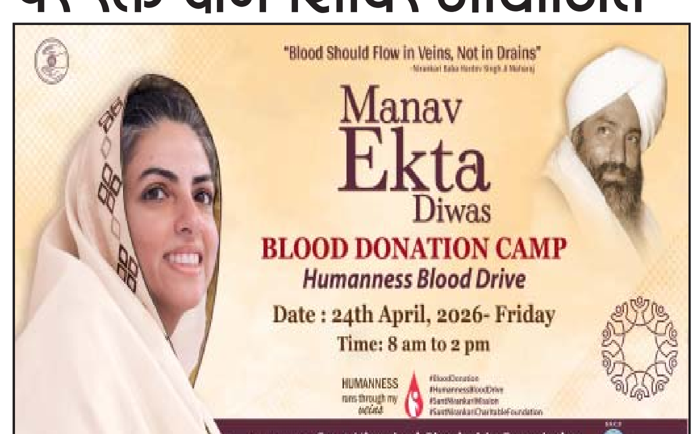

जौनपुर। जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्य स्पंदन से आलोकित होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है। यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वतः विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जो संपूर्ण मानव जाति को एकत्व, सेवा और सद्भाव का अमूल्य संदेश प्रदान करेगा। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में एक भव्य एवं दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जहाँ श्रद्धालु भक्त प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय एकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा। इसके साथ ही देश–विदेश की विभिन्न शाखाओं में भी श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक भाव से साकार करेंगे। इस पावन संगम के माध्यम से हर हृदय प्रेम, शांति और भाईचारे के प्रकाश से आलोकित होगा तथा मानवता की एकसूत्रता का संदेश विश्वभर में प्रसारित होगा। यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि

यह पावन दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और आपसी भाईचारे के भाव में निहित हैं। दिल्ली के मुख्य आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर गहन श्रद्धा, समर्पण और सेवा–भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में मडियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन जौनपुर में भी रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस पावन सेवा यज्ञ में विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की समर्पित टीम अपनी विशेषज्ञता और करुणा के साथ सेवा प्रदान करेगी, जिससे यह प्रयास मानवता के प्रति संवेदनशीलता का सजीव उदाहरण बनेगा।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा के अनुसार, संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में हजारों श्रद्धालु निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा हेतु अपना अमूल्य योगदान अर्पित करेंगे। यह सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में नई आशा का संचार करती है, बल्कि दान करने वाले के हृदय में भी आत्मिक संतोष, शांति और कृतार्थता का दिव्य अनुभव उत्पन्न करती है। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन रक्तदान के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है जहां 4 दशको से रक्तदान का सफल आयोजन किया जा रहा है। मिशन का स्वयं का ब्लड बैंक मुम्बई में निरंतर परोपकार और सेवा–भाव के साथ अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। विगत् वर्षों में आयोजित हजारों रक्तदान शिविरों के माध्यम से अनगिनत जीवनों को नया संबल और जीवनदान प्राप्त हुआ है। नःसंदेह, यह पुण्य प्रयास सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की दिव्य शिक्षाओं का सजीव एवं प्रेरणादायी प्रतिबिंब है, जो मानव हृदय में प्रेम, एकत्व और सह–अस्तित्व की पावन ज्योति प्रज्वलित करता है। उनकी करुणामयी प्रेरणा प्रत्येक व्यक्ति को यह अनुभूति कराती है कि सच्चा जीवन वही है, जो सेवा, विनम्रता और आपसी सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर हो।

एसएसपी के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान – एसपी ग्रामीण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर द्वारा जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में विभिन्न स्थानों में फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजना है।इस बात की जानकारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधारी ने दिया।उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुरुप जिले को अपराध मुक्त बनाना है। बताया कि इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सभी सर्किल के सीओ तथा संबंधित थानों के प्रभारी निरीक्षकों व थाना अध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर इन अपराधियों को गिरफ्तार करें।बताया कि इसके साथ ही साथ शासन के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति फेस 5 के तहत संबंधित थानों के थाना अध्यक्ष तथा महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा स्कूलों रेलवे स्टेशन बस स्टेशन विभिन्न चौराहा बाजरो के साथ–साथ ग्रामीण अंचलों में स्थित अधिकतर कॉलेज बाजारों में छात्र–छात्राओं महिलाओं को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है इसके साथ ही साथ केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिलाओं के लिए बेटियों के लिए विभिन्न योजनाओं के बारे में पंपलेट पोस्टर बैनर के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। बताया कि साइबर क्राइम के नोडल प्रभारी होने के नाते लोगों को पंपलेट समाचार पत्रों के माध्यम से जागरूक किया जाता है उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी भी अनजान व्यक्तियों के काल को अनु सुना करें साथ ही साथ कोई भी ओटीपी शेयर ना करें। बताया कि इसके अलावा उन्होंने सभी सीओ तथा थानों पर तैनात प्रभारी निरीक्षक व थाना अध्यक्ष पोशाक निर्देश दिए हैं कि वह सभी अपने–अपने सीयूजी नंबर पर आने वाले फोन का जरूर जवाब दें।

दो दिन, दो मैदान–हरदोई के गोल्फर की अनोखी उपलब्धि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई के गोल्फ खिलाड़ी मनोज कुमार शुक्ला ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से खेल जगत में खास पहचान बनाई है। उन्होंने लगातार दो दिनों में अलग–अलग गोल्फ कोर्स पर बैक–टू–बैक होल–इन–वन का शानदार कारनामा कर दिखाया, जिससे खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल बन गया। 15 अप्रैल 2026 को कोलकाता के गोल्फ क्लब में आयोजित मुकाबले के दौरान शुक्ला ने 150 गज की दूरी पर 7 आयरन से सटीक शॉट लगाकर गेंद को सीधे होल में पहुंचाया। इस अद्भुत शॉट को देखकर मौजूद दर्शक और साथी खिलाड़ी रोमांचित हो उठे। इसके अगले ही दिन, 16 अप्रैल 2026 को उन्होंने दुबारा मैदान में उतरकर लगभग 145 गज की दूरी पर 9 आयरन की मदद से एक और होल–इन–वन कर इतिहास रच दिया। लगातार दो दिनों में इस तरह की उपलब्धि हासिल करना अत्यंत दुर्लभ माना जाता है। आमतौर पर पेशेवर गोल्फरों के लिए भी यह उपलब्धि पाना आसान नहीं होता। शुक्ला की इस उपलब्धि ने न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर किया है, बल्कि हरदोई जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है। अपनी इस सफलता पर खुशी जताते हुए शुक्ला ने कहा कि यह उनके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने बताया कि निरंतर अभ्यास, धैर्य और खेल के प्रति समर्पण ही उनकी सफलता का मुख्य आधार रहा है। खेल विशेषज्ञों और गोल्फ समुदाय ने उनकी इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया है। उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में भी वह ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

अयोध्या में दो दिवसीय एसआरजी व एआरपी कार्यशाला संपन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।निपुण भारत मिशन के अंतर्गत शिक्षण गुणवत्ता सुदृढ़ करने हेतु दो दिवसीय एसआरजी व एआरपी कार्यशाला संपन्न हुआ।इसका आयोजन 16 एवं 17 अप्रैल 2026 को होटल शान–ए–अवध, अयोध्या में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यशाला में इन प्रतिभागियों को कई प्रमुख विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।सत्रों में बच्चों के साहित्य एवं प्रिंट–समृद्ध वातावरण, पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर गतिविधियाँ, तथा पढ़ने की आदत विकसित करने पर चर्चा की गई।द्वितीय दिवस में मूल्यांकन विश्लेषण के आधार पर सीखने की कमियों की पहचान, शैक्षणिक योजना निर्माण एंव लक्ष्यों पर समूह कार्य कराया गया।साथ ही NBMC पोर्टल के उपयोग, डेटा आधारित निर्णय, प्रभावी लिखित फीडबैक, मेंटरशिप, तथा रिमेडियल टीचिंग प्लान पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र ने अपने संदेश में कहा कि "इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए रूम टू रीड संस्था का धन्यवाद। यह कार्यशाला विद्यालयों में उपलब्ध पुस्तकालय से संबंधित विभिन्न संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में सहायक होगी, जिससे बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें पढ़ने का अवसर मिलेगा। इससे पढ़ने की संस्कृति में सुधार होगा तथा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के माध्यम से कक्षा शिक्षण में गुणात्मक सुधार लाया जा सकेगा।इस कार्यशाला का संचालन दीपाली अग्रवाल, धीरेंद्र मिश्रा, सौरभ परिहार, एस आर जी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी, मनीष रस्तोगी, अमित मिश्रा, जयेंदु जायसवाल एवं मोनिका सिंह द्वारा किया गया।

भतीजे का घर बचाने को आग में कूदे चाचा ने तोड़ दिया दम

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में भतीजे का घर बचाने के लिए आग में कूदे चाचा की मौत हो गई। घटना से गांव में मातम का माहौल है। अस्पताल से मौत की खबर आई तो घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना मोतीगंज थाना क्षेत्र के पिपरा भिटौरा के मजरे रमवापुर गांव की है। गांव निवासी सोनू के छप्परनुमा घर में शनिवार को शाम करीब 5 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घर में रखे रसोई गैस सिलिंडर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि सिलिंडर करीब 300 मीटर दूर जा गिरा। धमाके से इलाके में दहशत फैल गई। धमाके के बाद सोनू के चाचा श्याम लाल (60) अपनी जान की परवाह किए बिना आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। भतीजे का घर बचाने के लिए वह आग की लपटों के बीच घुस गए। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों ने उन्हें निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। इलाज के दौरान बृहस्पतिवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया।

महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम पर हुआ बहु-एजेंसी आतंकवाद निरोधक मॉक ड्रिल

(डॉ अजय तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।महार्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम पर बहु–एजेंसी आतंकवाद निरोधक मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।इस अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के बीच समन्वय, तत्परता एवं प्रतिक्रिया क्षमता को परखना एवं सुदृढ़ करना था।मॉक ड्रिल का परिदृश्य एयरपोर्ट के सिटी साइड क्षेत्र में एक डमी आतंकी हमले पर आधारित था। घटना की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ की क्यूआरटी ने डिप्टी कमांडेंटध्सीएएसओ, अयोध्या एयरपोर्ट, श्री रवींद्र सिंह के नेतृत्व में तथा सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ, श्री रोहित ढाका के समन्वय में तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित करने की प्रारंभिक कार्यवाही की।बाद मे राज्य एवं अन्य संबंधित एजेंसियों को सूचित किया गया जानकारी मिलते ही यूपी एटीएस उत्तर प्रदेश पुलिस तथा खुफिया विभाग मौके पर पहुंचे और अभियान की कमान संभाली।यूपी एटीएस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए डमी आतंकियों को जीवित पकड़ लिया गया।इसके बाद बम निरोधक दस्ता द्वारा पूरे क्षेत्र में सघन बम जांच एवं निस्तारण प्रक्रिया संपन्न की गई, जबकि राज्य स्वास्थ्य विभाग एवं अग्निशमन विभाग द्वारा आपातकालीन चिकित्सा एवं राहत प्रबंधन सुनिश्चित किया गया, जिससे परिसर की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित हुई।इस मॉक ड्रिल में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया सहित विभिन्न एयरलाइंस एवं अन्य एजेंसियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।अभ्यास के दौरान मुख्य सुरक्षा अधिकारी, अयोध्या एयरपोर्ट (एएआई), दिव्यांश पांडेय के साथ एयरलाइंस के प्रतिनिधि सुदर्शन सिंह (अकासा एयर), विकास शर्मा (इंडिगो) एवं श्री अभिजीत (एयर इंडिया एक्सप्रेस)कृ वड्ेमतअमत के रूप में उपस्थित रहे।अभ्यास के उपरांत एक विस्तृत डिब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया,जिसमें सभी सहभागी एजेंसियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए एवं सुधार के बिंदुओं पर चर्चा की गई।

मोदहा आरओबी की दो लेन चालू, जून तक पूरी होगी फोरलेन सुविधा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मोदहा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की चार लेन परियोजना में से दो लेन पर यातायात शुरू कर दिया गया है, जबकि शेष दो लेन पर निर्माण कार्य जारी है, जिसे जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।करीब 155 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस फोरलेन आरओबी की कुल लंबाई लगभग 650 मीटर है। इसके चालू होने से अयोध्या कैंट के पास स्थित मोदहा रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब बिना रुके यातायात संभव होने से समय की बचत होगी और दुर्घटनाओं का खतरा भी कम होगा।अधिकारियों के अनुसार, दो लेन शुरू कर आम जनता को तत्काल राहत दी गई है, जबकि बाकी हिस्से में रेलवे पुल का कार्य तेजी से चल रहा है। पूरी परियोजना के पूर्ण होने पर यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम हो जाएगी।स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पहले घंटों जाम में फंसना पड़ता था, लेकिन अब काफी राहत मिल रही है।

एसओ जीआरपी ने महिला थाना पुलिस के साथ कैंट स्टेशन पर यात्रियों को मिशन शक्तिअभियान के तहत किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शुक्रवार को जीआरपी अयोध्या कैण्ट व महिला थाना टीम द्वारा मिशन शक्ति" (फेज–5) अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक अनिल प्रकाश सिंह के नेतृत्व मे उप निरीक्षक संजय अग्निहोत्री, महिला थाना मे तैनात उप निरीक्षक चेतना पाण्डे सहित महिला पुलिस कर्मियों जिसमे उमा यादव, साक्षी शुक्ला, अंजू रावत व दीपा यादव ने रेलवे स्टेशन अयोध्या कैण्ट पर मौजूद महिलाओं और बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया।इस दौरान महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा यात्रा के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं की सहायता के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर 112 (आपातकालीन सेवा), 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) व 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए

आग लगने की सूचना घबराहट मे न दे लोग – सीएफओ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।आग लगने की सूचना अग्निशमन नियंत्रण कक्ष को बिना घबराहट के दे।इस संबंध में बात करते हुए सीएफओ एमपी सिंह ने जिले वासियों से अपील किया कि आग लगने की सूचना देने वाले व्यक्ति यह जरूर बताएं कि आग कहां पर लगी है वहां पर छोटी दमकल जा सकती है या बड़ी दमकल।इन वाहनों के जाने के लिए घटनास्थल तक सड़क है या नहीं।उसी हिसाब से मुख्यालय से छोटे बड़े दमकल घटना स्थल तक भेजी जाए उन्होंने बताया कि प्राय यह देखने में आता है की लोग घबराहट में आग लगने की सूचना तो मुख्यालय को दे देते हैं लेकिन सही–सही जानकारी नहीं देते कि आज कहां लगी है वहां पर कौन सी दमकल जा सकती है।जहां पर आग लगी है वह गली के अंदर है यह मुख्य मार्ग पर उन्होंने लोगों से अपील किया कि जब जिला मुख्यालय को सही सूचना मिलेगी तो इस सूचना के आधार पर यहां से अग्निशमन विभाग के वहां जाकर आग पर काबू पा सकेंगे।उन्होंने बताया इस समय अग्निशमन जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है।शहर के अलावा जिले के विभिन्न

तहसीलों में स्थित स्कूलों कॉलेज बाजारों सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर पंपलेट पोस्टर बैनर तथा रैलियों के माध्यम से वहां के लोगों को आग से बचाव हेतु जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस समय अप्रैल माह चल रहा है अप्रैल में जून 3 माह में अधिक आग लगने की घटनाएं घटित होती हैं इसलिए आज से बचाव है तू जानकारी रखनी चाहिए साथ ही साथ सावधानी भी बरतनी चाहिए क्योंकि एक छोटी सी हल्की सी लापरवाही बहुत बड़े नानी का कारण बन सकती है। उन्होंने शहर वासियों तथा ग्राम वासियों से अपील किया है कि वे सभी रात में सोते समय सिलेंडर का उपयोग न होने पर रेगुलेटर से गैस को बंद कर दे। वही अगर कोई शादी विवाह या अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में अपने घरों से जा रहा है तो एमसी और कोशिश या रहे मैन स्विच से लाइट को बंद कर दे जिससे कि शार्ट सर्किट से अप्रिय घटना को रोका जा सके। उन्होंने वही ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तथा किसानों से भी अपील किया है कि इस समय गर्मी चरम पर है और खासकर गेहूं की फसलों में आग लगने की घटनाएं अधिक हो रही है इसलिए कोसी से ही रहे की किसान भाई तथा अन्य लोग खेतों के आसपास धूमपान ना करें क्योंकि एक छोटी सी चिंगारी पूरे गेहूं के खेत को जला सकती है।वही ग्रामीण अंचलों की महिलाओं से भी अपील किया है की चूल्हे पर खाना बनाने के बाद उसके रख को पानी से पूरी तरह से बुझा दें और तीन–चार घंटे बाद ही बाहर फेके और कोशिश यह रहे जहां पर ठेके वहां पर कूढे ना इकट्ठे हो

युवती को भगा कर ले जा रहे बिहार निवासी युवक को पुलिस ने पकड़ा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है।बीकापुर में अपनी पत्नी के साथ रह रहे कटिहार बिहार निवासी युवक की पत्नी को करीब 9 महीना पूर्व बीकापुर नगर पंचायत निवासी कोतवाली एक युवक भाग ले गया।पत्नी के दगा देने के बाद कटिहार निवासी युवक रोजी–रोटी के सिलसिले में गोवा चला गया। लेकिन इसी दौरान उसका संपर्क पत्नी को भगाने वाले युवक की बहन से हो गया और दोनों फोन में बात करने लगे। बताया गया कि कटिहार बिहार निवासी युवक दो दिन पहले बृहस्पतिवार शाम को गोवा से बीकापुर पहुंचा। और पत्नी को भगाने वाले बीकापुर निवासी युवक की 19 वर्षीय बहन से संपर्क करके गांव के बाहर बुलाया। और दोनों शुक्रवार की रात चुपके से घर से फरार हो गए। लेकिन परिजनों को भनक लग गई परिजनों और ग्रामीणों ने पीछा किया तथा कोतवाली में सूचना दिया। बीकापुर कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लड़की लेकर जा रहे युवक और लड़की को रात में मलेथू कनक रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया और कोतवाली ले आए। शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक को मेडिकल के लिए बीकापुर सीएचसी भेजा गया।कोतवाली पुलिस द्वारा कानूनी कार्यवाही शुरू की गई है।

एसएसपी के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान – एसपी ग्रामीण

अयोध्या।एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर द्वारा जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में विभिन्न स्थानों में फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजना है।इस बात की जानकारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने दिया।उन्होंने बताया कि शासन की मंशानुरुप जिले को अपराध मुक्त बनाना है। बताया कि इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सभी सर्किल के सीओ तथा संबंधित थानों के प्रभारी निरीक्षकों व थाना अध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर इन अपराधियों को गिरफ्तार करें।बताया कि इसके साथ ही साथ शासन के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति फेस 5 के तहत संबंधित थानों के थाना अध्यक्ष तथा महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा स्कूलों रेलवे स्टेशन बस स्टेशन विभिन्न चौराहा बाजरो के साथ–साथ ग्रामीण अंचलों में स्थित अधिकतर कॉलेज बाजारों में छात्र–छात्राओं महिलाओं को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है इसके साथ ही साथ केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिलाओं के लिए बेटियों के लिए विभिन्न योजनाओं के बारे में पंपलेट पोस्टर बैनर के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। बताया कि साइबर क्राइम के नोडल प्रभारी होने के नाते लोगों को पंपलेट समाचार पत्रों के माध्यम से जागरूक किया जाता है उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी भी अनजान व्यक्तियों के काल को अनु सुना करें साथ ही साथ कोई भी ओटीपी शेयर ना करें। बताया कि इसके अलावा उन्होंने सभी सीओ तथा थानों पर तैनात प्रभारी निरीक्षक व थाना अध्यक्ष पोशाक निर्देश दिए हैं कि वह सभी अपने–अपने सीयूजी नंबर पर आने वाले फोन का जरूर जवाब दें।

भीषण गर्मी के चलते विद्यालय समय परिवर्तन की उठी मांग

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने जनपद में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप के कारण स्कूली बच्चों के विद्यालय समय परिवर्तन की मांग की है।उन्होंने जिला अधिकारी को भेजे गए मेल में कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। वर्तमान समय में विद्यालयों का संचालन दोपहर 2 बजे तक होने से छोटे–छोटे बच्चों को लू और अत्यधिक तापमान का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके लिए जोखिमपूर्ण है।महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने जिला अधिकारी से विद्यालयों के समय में बदलाव करने की मांग की है। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का समय प्रातः 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया जाए, ताकि बच्चों को गर्मी से राहत मिल सके।उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा के साथ–साथ उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान परिस्थितियों में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र निर्णय लेना आवश्यक है। महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने जिला प्रशासन से अपील की है कि मौसम की गंभीरता और शासन के दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों के समय में आवश्यक संशोधन किया जाए, जिससे बच्चों को इस भीषण गर्मी से राहत मिल सके।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत फायर कर्मियों ने किया जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शनिवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी एम0पी0 सिंह के निर्देशन में तथा प्रभारी फायर स्टेशन प्रदीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में मॉल ऑफ अवध अंगूरीबाग अयोध्या में अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत आग से बचाव के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित स्टाफ व अन्य को आग से बचाव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों व फायर सिस्टम के संचालन के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा पंपलेटस वितरित किए गए इस मौके पर मॉल ऑफ अवध के मालिक श्री अतुल कुमार सिंह, बब्बू सिंह प्रधान, आलोक पाण्डेय , पंकज पाण्डेय तथा मॉल ऑफ अवध के कर्मचारी तथा अग्निशमन विभाग के अतुल कुमार वर्मा, अवधेश कुमार पाण्डेय, सुनील कुमार, आलोक मिश्रा उपस्थित थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।